सिटी लाइव

डॉटर्स आर प्रिशियस पर रैंप वॉक

महानगर संवाददाता

जयपुर। एकांग इवेन्ट्स की ओर से आयोजित किए जा रहे 'इंडिया इंटरनेशनल स्टाइल वीक' का शनिवार को आगाज हुआ। मोरानी ग्रुप ऑफ कंपनीज के सहयोग से आयोजित किए जाने वाले इस फैशन वीक का पहला दिन लंदन फैशन वीक फेम डिजाइनर फैलिक्स बैंडिश एवं मर्सडीज बैंज फैशन वीक दोहा फेम फैशन डिजाइनर गजल मिश्रा के नाम रहा। फैशन शो में मोरानी ग्रुप ऑफ कंपनीज के डायरेक्टर लव मोरानी, हाइट्स फैशन इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर दीपक गुप्ता एवं अंजलि गुप्ता, सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट दीपाली चुघ, वानिश चुघ एवं सुंदरा बैंस, पद्मश्री गुलाबो सपेरा, जे.डी. माहेश्वरी सहित बड़ी संख्या में शहर के गणमान्यजन उपस्थित रहे। एकांग इवेन्ट्स के डायरेक्टर अखिलेश अग्रवाल ने

बेटियों के सामाजिक जीवन में महत्व एवं बेटियों के प्रति समाज के दृष्टिकोण को सकारात्मक बनाने पर बातचीत की। इस पैनल डिस्कशन में अनिता हाड़ा सांगवान ने संवाद किया। इसके बाद इंडिया इंटरनेशनल स्टाइल वीक के फैशन शोज का भव्य आगाज हुआ। ओपनिंग शो में लंदन फैशन वीक फेम डिजाइनर फैलिक्स बैंडिश ने अपने नायाब कलेक्शन पेशकर फैशनप्रेमियों की वाहवाही लूटी। फिनाले शो में मर्सडीज बैंज फैशन वीक दोहा फेम डिजाइनर गजल मिश्रा का कलेक्शन पहनकर मॉडल्स ने रैम्प पर कैटवॉक किया। ज्वैल्स ऑफ राजस्थान के नाम से पहचान रखने वाली पद्मश्री गुलाबो सपेरा, अपरा कुच्छल, अलका बत्रा, सुंदरा बैंस, अनिता हाड़ा सांगवान, रेखा सिंह आदि महिलाओं ने भी 'डॉटर्स आर प्रिशियस' कैम्पेन को सपोर्ट करते हुए रैम्प पर कैटवॉक की। टीवी सीरियल 'इश्कजादे' फेम एक्टर नकुल मेहता मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहे, जिन्होंने डिजाइनर गजल मिश्रा के लिए शो स्टॉपर के रूप में कैटवॉक की। फैशन शो की कोरियोग्राफी एवं शो डायरेक्शन अभिमन्यु सिंह तोमर ने किया।

वुमन नाइट सेफ्टी की थीम पर कार रैली

महानगर संवाददाता

जयपुर। शहर में 9, 15 और 16 सितम्बर को होने वाले तीन दिवसीय 'जयपुर बाय नाइट' में प्रसिद्ध फ्यूजन रॉक बैंड 'इंडियन ओशन बैंड' की शानदार प्रस्तुति होगी। इसके अलावा फेस्टिवल में 'नाइट वुमन कार रैली', फूड फेस्टिवल 'द बाइट फेस्ट' और नाइट मैराथन अन्य मुख्य आकर्षण होंगे।

सवाईमाधोपुर विधायक दीया कुमारी इस आयोजन की ब्रांड एंबेसडर हैं और पूर्व राजपरिवार के सदस्य पद्मनाभ सिंह नाइट मैराथन के ब्रांड एंबेसडर होंगे। 'जयपुर बाय नाइट' का यह 5वां संस्करण है, जो कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई), यंग इंडियंस (वाईआई) और राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है। राजस्थान खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड तथा पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग भी इसे सहयोग कर रहे हैं। गुलाबीनगर को पर्यटन, शिल्प एवं खरीदारी के गंतव्य के रूप में बढ़ावा देना इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है। इस फेस्टिवल में 10 से अधिक देशों के राजनयिक दल के सदस्य आएंगे, जिनमें राजदूत एवं उच्च आयुक्त भी शामिल हैं। इनके अतिरिक्त कुछ अन्य देशों के प्रतिनिधियों के भी इसमें आने की संभावना है। 'जयपुर शहर में महिलाएं रात्रि में सुरक्षित हैं।'

इस संदेश का प्रसार करने के लिए 9 सितम्बर को रात्रि 10 बजे होटल क्लार्क्स आमेर से वुमन कार रैली आयोजित की जाएगी। यहां से यह रैली आरम्भ होकर अल्बर्ट हॉल जाएगी और फिर पुन: होटल तक आकर समाप्त होगी। इस रैली में भाग लेने के लिए महिला कार चालकों में काफी उत्साह है। 15 सितम्बर को प्रसिद्ध भारतीय फ्यूजन रॉक बैंड 'इंडियन ओशन' द्वारा आकर्षक प्रस्तुति दी जाएगी। सिटी पैलेस में जयपुरवासी एवं पर्यटक कुछ धमाकेदार गीत सुन सकेंगे। 15 एवं 16 सितंबर को होने वाला दो दिवसीय फूड फेस्टिवल 'द बाइट फेस्ट' इस बार के 'जयपुर बाय नाइट' का एक अन्य आकर्षण होगा। शाम को मेहमान एवं पर्यटक प्रसिद्ध राजस्थानी लोक गायक, मामे खान की लाइव परफॉर्मेंस का लुत्फ उठा सकेंगे। शाम के अन्य आकर्षणों में कच्छी घोड़ी, भोपे भोपी, ढोल वाले, घूमर नृत्य, कालबेलिया नर्तक जैसे राजस्थानी समूह प्रदर्शकों के साथ-साथ ज्योतिषी एवं मेहंदी कलाकार भी शामिल होंगे।

अगले दिन, 16 सितम्बर की रात को 'जयपुर बाय नाइट मैराथन' का आयोजन किया जाएगा। शाम को सिटी पैलेस से शुरू होने वाली इस मैराथन की दो श्रेणियां होंगी।

पहली श्रेणी में टाइमिंग चिप के साथ 10 किलोमीटर की दौड़ और दूसरी श्रेणी में टाइमिंग चिप के बिना पांच किलोमीटर की दौड़ होगी। गत वर्ष की तरह इस बार की मैराथन भी एक अनूठी गतिविधि एवं अद्वितीय पहल होगी, जिसमें रात्रि में गुलाबी नगर की सुंदरता एवं विरासत को निहारने एवं इसे बढ़ावा देने के लिए देश के विभिन्न भागों से प्रतिभागियों के आने की संभावना है।

"मैं जयपुर में आयोजित होने वाले कार्यक्रम 'जयपुर बाय नाइट' से ब्रांड एम्बेसडर के रूप में जुड़कर बेहद प्रसन्न हूं। यह फेस्टिवल गुलाबी नगर की जीवंत एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करके शहर को पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा देगा।

दीया कुमारी-
विधायक

वेस्ट पेपर्स से कलाकृतियां बनाकर दिखाया हुनर

महानगर संवाददाता

जयपुर। कुमारप्पा राष्ट्रीय हाथ कागज संस्थान, सांगानेर में वेस्ट पेपर्स और हैंडमेड पेपर्स से कई कलाकृतियां बनाई गई। कुन्जबिहारी उप निदेशक प्रभारी केएनएचपीआई/ केवीआईसी ने बताया कि संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाएं और पायलट प्लान्ट हाथ कागज की मशीनरी और अन्य सुविधाएं भी हैं। संस्थान का स्टाफ भी अपने-अपने क्षेत्र में दक्ष है।

पिछले कई वर्षों से संस्थान हाथ कागज निर्माण से संबंधित अनुसंधान के कार्यों, प्रशिक्षण एवं तकनीकी कार्यों और सेवाओं में कार्यरत है। पिछले कुछ समय में अपने कार्यकलापों को आगे बढ़ाते हुए हाल ही में कुमारप्पा राष्ट्रीय हाथ कागज संस्थान द्वारा रिसाइकल ऑफ वेस्ट पेपर एंड हैंडमेड पेपर मेकिंग का प्रोग्राम शुरू किया गया है, जिसके अन्तर्गत विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में रिसाइकलिंग और हैंडमेड पेपर की महत्ता समझाई जा रही है।

कामयाबी के टिप्स देंगे शर्मा

महानगर संवाददाता

जयपुर। राजस्थान प्रांत के मोटिवेशनल स्पिकर आलोक शर्मा जयपुर में आगामी सितम्बर में कामयाबी हासिल करने के अहम् टिप्स देंगे।

उन्होंने अब तक दिल्ली, मुम्बई जैसे बड़े शहरों समेत देश के विभिन्न स्थानों पर मोटिवेशनल प्रोग्राम किए हैं। आदर्श कोटियों पर कसे उनके कामयाबी के टिप्स रचनात्मक और सकारात्मक दृष्टि से भी काफी दिलचस्प रहे हैं। इसी कारण वे लोगों में काफी लोकप्रिय भी हैं।

क्षिप्रा पथ स्थित इंडिया इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा 1 से 5 के छात्रों ने श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े प्रसंगों के आधार पर कई झांकियों की प्रस्तुति से विद्यालय प्रांगण को कृष्णमय बना दिया। इस दौरान कोई कृष्णा बना तो कोई राधा, ग्वाले, सुदामा तथा यशोदा आदि का रूप धर कर उत्साह से अपनी प्रस्तुति दे रहा था। अंतिम दृश्य ने तो राधे कृष्ण की जय के साथ संपूर्ण रास प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया।

बाबोसा भी थे इनकी कृति के कायल, उपहार में देते थे बनी ठनी

महानगर संवाददाता

जयपुर। स्कूल आते-जाते समय रास्ता मूर्तिकारों के क्षेत्र से गुजरता था। मूर्तियों को तराशने का संगीत जब कानों में गूंजता तो मैं मोहित हो उठता। पत्थर की मूर्तियों का सौन्दर्य इतना आकर्षित करता था कि स्कूल के समय का पता नहीं चलता और घर पर पिटाई भी होती। वजह, मैं घर पर सबसे छोटा था और घर वालों को मुझसे बड़ी उम्मीदें थी। मैंने मूर्तिकार बनने की इच्छा जाहिर कर दी।

मेरी लगन के आगे उन्हें झुकना पड़ा और मेरे बड़े भाई और गुरु आनंदीलाल वर्मा, द्वारका प्रसाद शर्मा और महेन्द्र दास ने मुझे आज इस मुकाम तक पहुंचा दिया। राजस्थान फोरम की डेजर्ट सोल सीरीज में पद्मश्री मूर्तिकार अर्जुन प्रजापति ने कला प्रेमियों से रूबरू होते हुए कुछ इसी तरह राजस्थान फोरम की सदस्य रंगकर्मी सालेहा गाजी से चर्चा की। प्रजापति ने अपनी सर्वाधिक चर्चित कृति 'अर्जुन की बनी ठनी' के बारे में भी जानकारी दी। अर्जुन ने बताया कि इस कृति ने उन्हें

पद्मश्री अर्जुन प्रजापति से चर्चा

देश- विदेश में पहचान दिलाई। जिसके पीछे दिलचस्प वाकया था कि बीकानेर की समृद्ध परिवार की महिला से एक कार्यक्रम में मुलाकात हुई। उसकी दैवीय सुंदरता से प्रभावित होकर लगभग एक साल बाद इसकी रचना की। मेरे मन में उस महिला की प्रति सदैव श्रद्धा का भाव रहेगा और मैं आज तक उसे नमन करता हूं। उस कृति की प्रसिद्धि का आलम यह रहा कि बाबोसा भैरोंसिंह शेखावत जी जब उपराष्ट्रपति थे तो वे अपने मेहमानों को वही उपहार स्वरूप दिया करते थे। उन्होंने राज्य सरकारों से कला को प्रश्रय देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, पुराने जमाने में राजा- महाराजा कला को प्रोत्साहित करते थे। अब सरकारों को भी जमीन पर काम करने वाले कलाकारों को मौका देना चाहिए तथा उनका सम्मान करना चाहिए।

कलाकारों की स्थिति दयनीय होती है। कुछ कलाकार तो अब कला को छोड़कर जीविकोपार्जन के लिए छोटे-छोटे काम करने को मजबूर हैं। अत: इनकी स्थिति सुधारने के लिए सरकार का हस्तक्षेप और सहयोग अत्यंत आवश्यक है। चर्चा के दौरान अर्जुन प्रजापति ने मूर्तिकला में सौन्दर्य बोध, भारत निर्माता कार्यक्रम, मूर्तिकला के विविध आयामों पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के अंतिम भाग में उन्होंने 'अर्जुन की बनी ठनी' का लाइव डेमो बनाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।